प्रदेश के आयुर्वेद छात्रों के लिये जापान-जर्मनी में खुले नौकरी के द्वार

चर्चा में क्यों?

6 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार जापान व जर्मनी से नर्सिंग और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नौकरी के लिये उत्तराखंड के आयुर्वेद नर्सिंग, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, पंचकर्म कोर्स में पासआउट छात्रों या प्रशिक्षित युवाओं की मांग का प्रस्ताव प्रदेश सरकार को मिला है, जिससे वहाँ उनके लिये नौकरी के द्वार खुले गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड द्वारा आयुर्वेद कॉलेजों से नर्सिंग, योग, पंचकर्म, प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम में पासआउट छात्रों का ब्योरा भेजा गया है, जिन्हें कौशल एवं सेवायोजन विभाग के माध्यम से स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद उन्हें विदेशों में नौकरी उपलब्ध कराई जाएगी।
- इसके लिये भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त 25 निजी आयुर्वेद व पैरामेडिकल कॉलेजों से छात्रों की सूची मांगी गई है। इस संबंध में कॉलेजों को पत्र जारी किया गया।
- आयुष सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय ने भी परिषद को आयुर्वेद छात्रों को कौशल एवं सेवायोजन विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण देकर विदेशों में नौकरी के अवसर दिलाने के दिशा निर्देश दिये हैं।
- परिषद की रजिस्ट्रार नर्वदा गुसाईं ने बताया कि आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाने के लिये नर्सिंग, पंचकर्म, योग और प्राकृतिक चिकित्सा कोर्स में नये सत्र से नवीन पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। जल्द ही परिषद की ओर से सभी कॉलेजों को पाठ्यक्रम पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।
- इसके अलावा इसी महीने के अंत से परीक्षाएँ शुरू की जाएंगी। जल्द ही परिषद की ओर से परीक्षा तिथि घोषित की जाएगी। परीक्षा के लिये नया पैटर्न तैयार किया गया है।

//

state